

श्री सुव्धार उप-समाहती, सदा, परसेगा।
 केस का प्रकार: - श्री विनोद साह वराम श्रीपुष्पचन्द सहनी
 चाद नं० 311/13-14

- 8135
 30/1/14

16.1.14

उभयपक्ष को हाजरी है

दिनांक 18.1.14 को 225।

३-५-३५/१४

18.1.14

उभयपक्ष को हाजरी है

दिनांक 20.1.14 को 225।

३-५-३५

20.1.14

उभयपक्ष को हाजरी है

दिनांक 22.1.14 को 225

३-५-३५-१०

22.1.14

उभयपक्ष को हाजरी है

उभयपक्ष के विश अखिवक्ता को सुना। उभयपक्ष के विश अखिवक्ता का अनुशेष है कि प्रश्नगत श्रमि का सीमांकन करा दिया जाय ता दोनों व्यक्ति को कोई आपत्ति नही।

उभयपक्ष के विश अखिवक्ता के अनुशेष पर प्रश्नगत श्रमि का सीमांकन हेतु आदेश अंचल अखिवक्ता, हनुमाननगर को दी जाती है। अंचल अखिवक्ता हनुमान नगर का चाद-पत्र को प्रति उस आदेश के साथ संलग्न का भेजे। वार्ड को आदेश दिया जाता है कि वे अंचल नजारत में अमानत मुहक गमा कर पावती रसीद अंचल अखिवक्ता को आदेश के साथ देगे। उसी के साथ चाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

लेखापित्र 7

३-५-३५/१४

श्री सुव्धार उप-समाहती

३-५-३५/१४

श्री सुव्धार उप-समाहती
 सदा, परसेगा।